AMAR UJALA MY CITY PAGE 3

सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले कोर्स चलाएं

राज्यपाल ने लविवि में स्थापित उपक्रम केंद्र का किया उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि के ओएनजीसी भवन में उपक्रम उद्घाटन करतीं राज्यपाल। -संवाद

लखनऊ। राज्यपाल आंनदीबेन पटेल ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में लागू पाठ्यक्रमों में नए विषयों को शामिल करने का सुझाव दिया है। साथ ही यह भी कहा है कि सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषयों को भी नए पाठ्यक्रम में शामिल करें। इसमें उन्होंने अंगदान की आवश्यकता, कृषि कार्यों को सरल बनाने की तकनीकों के विकास और नई तकनीकों को सामान्य शिक्षा के विषयों में जोड़ने पर ध्यान देने को कहा है।

वे रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में स्थापित उत्तर प्रदेश काडर फॉर रैंकिंग एक्रीडिटेशन मेंटरशिप (उपक्रम) के उद्घाटन के बाद 'विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों का निर्माण' विषयक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विश्वविद्यालय अपने कैंपस के बाहर जाकर सामाजिक जीवन से शिक्षा को संबद्ध करें। विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति भी जागरूक करें।

राज्यपाल ने कहा कि उपक्रम की स्थापना से प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ग्रेडिंग कराने को प्रयासों को मजबूती मिलेगी। इस सेंटर पर विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखकर काम हो। उन्होंने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में आपसी साझेदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। बता दें कि 27 जुलाई को राजभवन में राज्यपाल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मंत्रिमंडल के सदस्यों की उपस्थिति में प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रैंकिंग के संबंध में 'उपक्रम' नाम से लखनऊ में विशिष्ट केंद्र की स्थापना के लिए एनआईडी फाउंडेशन और उच्च शिक्षा विभाग के बीच एमओयू हुआ था। इसी क्रम में उपक्रम की शुरुआत और इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति सतनाम सिंह संधू, प्रदेश के 11 विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, मुख्य सचिव कृषि शिक्षा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, विशेष सचिव उच्च शिक्षा, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अब नैक के प्रत्येक बिंदु की होगी ग्रेडिंग

चंडीगढ़ विवि के प्रो. संजीत ने बताया कि किन वहजों से प्रदेश के विश्वविद्यालय अपने बेहतर संसाधन और उत्कृष्ट शिक्षण के बाद भी देश और विश्व रैंकिंग प्राप्त करने में पिछड़ रहे हैं। चंडीगढ़ के ही डॉ. शान ने बताया कि नैक अपनी मूल्यांकन पद्धति में बड़ा बदलाव करने जा रहा है, जिसके लिए सुझाव मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि अब नैक में समग्रता से ग्रेडिंग नहीं होगी, बल्कि प्रत्येक क्राइटेरिया के सभी बिंदुओं पर विभागवार अलग-अलग ग्रेड दिए जाएंगे।

विवि की हैप्पी थिंकिंग लैब का किया निरीक्षण

कार्यक्रम के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन स्थित हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी का दौरा किया। प्रो. मधुरिमा प्रधान ने राज्यपाल को उसके विविध कार्यों की जानकारी ली।

उत्कृष्ट शोध पत्र के लिए मिला पुरस्कार

लविवि में बोटेनिकल कॉन्फ्रेंस का रविवार को हुआ समापन। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि : अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन का समापन

लखनऊ। लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग और इंडियन बॉटेनिकल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 45वीं अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट शोध पेपर प्रस्तुत करने वालों को सम्मानित किया गया।

इसमें प्रो. शशि पांडेय (बीएचयू) को महिला वैज्ञानिक मेडल पुरस्कार से, डॉ. मंजू नायर (कालीकट) को महिला वनस्पति शास्त्री पुरस्कार और डॉ. आशीष प्रसाद (नई दिल्ली) को युवा वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ मौखिक प्रस्तुति में तीन और पोस्टर प्रस्तुति में तीन शोधार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं निदेशक एनबीआरआई डॉ. एसके बारिक ने जलवायु परिवर्तन व जैव विविधता तो निदेशक सीमैप डॉ. प्रबोध त्रिवेदी ने अजीनोम एडिटिंग पर चर्चा की। इंडियन बॉटेनिकल सोसायटी के प्रेसिडेंट प्रो. एसआर यादव, सचिव प्रो. शिशु लावनिया, प्रो. नलिनी पांडेय, प्रो. मुन्ना सिंह, प्रो. एसआर रामा राव, डॉ. उमेश चंद्र लावनिया, डॉ. रमाकांत पांडेय, प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ला, डॉ. आरके श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

NBT PAGE 7

'आपसी साझेदारी की कमी दूर करें प्रदेश के विवि'

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी में राज्यपाल ने 'उपक्रम' केंद्र का किया उद्घाटन

उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में आपसी साझेदारी की कमी है, इसे दूर किया जाना चाहिए। वहीं आज के समय में जरूरी है कि रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विवि सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषयों को भी नए पाठ्यक्रम में शामिल करें। ये बातें राज्यपाल आंनदीवेन पटेल ने कहीं। वह रविवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी के ओएनजीसी भवन में स्थापित 'उपक्रम' (उत्तर प्रदेश कैडर फॉर रैंकिंग एक्रीडेशन मेंटरशिप) के उद्घाटन अवसर पर वोल रही थीं। इस दौरान विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों का 'निर्माण' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला भी हुई। इनमें 11 राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे।

हैपी थिंकिंग लेबोरेटरी का किया दौरा

राज्यपाल ने एलयू के ओएनजीसी भवन में स्थापित हैपी थिंकिंग लेबोरेटरी का दौरा किया। जहां कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसके विविध कार्यों की जानकारी दी। इस बीच राज्यपाल ने कहा कि इस सेंटर पर विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी वनाने का लक्ष्य रखकर काम करना होगा। विश्व स्तर पर जो भी नवीनताएं शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित हो रही हैं, वे सव यूपी के विश्वविद्यालयों में भी लागू कर यहां के विद्यार्थियों को भी उससे फायदा पहुंचाया जाए। बीती 27 जुलाई को राजभवन में 'उपक्रम' नाम से लखनऊ यूनिवर्सिटी में केंद्र की स्थापना के लिए एनआईडी फाउंडेशन और उच्च शिक्षा विभाग के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, चंडीगढ़ विवि में विशेषज्ञ प्रो. संजीत, कुलपति सतनाम सिंह संधू समेत कई विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने हिस्सा लिया।

HINDUSTAN PAGE 6

सामाजिक दायित्व तय करने वाले विषय को जोड़ेंः राज्यपाल

कार्यशाला

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक दायित्व तय करने वाले विषयों को भी नए पाठ्यक्रम में शामिल करें। आज जरूरत अंगदान को बढ़ावा, कृषि कार्यों को सरल करने की तकनीक विकसित करने की है।

राज्यपाल ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में उत्तर प्रदेश कैफर फॉर रैंकिंग मेंटरशिप (उपक्रम) एवं कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस सेंटर से प्रदेश भर के शिक्षण संस्थानों को नैक ग्रेडिंग समेत अन्य रैंकिंग बढ़ाने के सुझाव दिए, जाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि उपक्रम की स्थापना से प्रदेश के उच्चशिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ग्रेडिंग कराने के प्रयासों को मजबूती मिली है। इसकी स्थापना के लिए उच्च शिक्षा विभाग व एनआईडी फांउडेशन के बीच ढाई महीने पहले एमओयू को हो गया था।

विश्व क्यूएस रैंकिंग की दिशा में प्रगति पर विचार रखेः राज्यपाल ने ओएनजीसी भवन में स्थापित हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी का दौरा किया। कार्यशाला में चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति सतनाम सिंह संधू ने उम्मीद जताई कि ये सेंटर आपसी भागीदारी के साथ बहुत कुछ सीखने का अवसर देगा। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ने मौके पर ही समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। 11 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने एनएएसी मान्यता, एनआईआरएफ रैंकिंग, विश्व क्यूएस रैंकिंग की दिशा में कार्यों की प्रगति पर विचार रखे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्य मंत्री, प्रौद्योगिकी शिक्षा मंत्री आदि शामिल हुए।

बदलने वाली है नैक मूल्यांकन की पद्धति

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ प्रो संजीत ने कहा कि उपक्रम के माध्यम से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय रैंकिंग में शामिल करने का प्रयास किया जायेगा। चण्डीगढ़ के डॉ. शान ने जानकारी दी कि नैक अपनी मूल्यांकन पद्धति में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। जिसके लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी नैक में समग्रता से ग्रेडिंग नहीं होगी बल्कि प्रत्येक क्राइटेरिया के सभी बिंदुओं पर विभागवार अलग-अलग ग्रेड दिए जाएंगे। बदलाव के बाद आगे विश्वविद्यालयों को नैक होने या न होने से जाना जा सकेगा।

सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए

रविवार को उपक्रम की उद्घाटन पर विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों का निर्माण विषयक कार्यशाला भी हुई। जिसमें प्रदेश के सभी 11 राज्य विश्वविद्यालयों एलयू, मेरठ, बरेली कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय आदि के कुलपतियों ने हिस्सा लिया।

पीजी के चार विषयों की मेरिट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीजी प्रवेश परीक्षा के अन्तर्गत चार कोर्स में मेरिट के अनुसार सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एमएससी केमेस्ट्री, आलिम, बीलिब आईएससी एवं एमए-एमएससी फॉरेंसिक साइंस का आवंटन एडमिशन पोर्टल पर देखा सकता है। अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी के माध्यम से सीट आवंटन देख सकते हैं। अभ्यर्थियों को 18 तक सीट कन्फर्मेशन शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा।

रिसर्च साइंटिस्ट के लिए 11 छात्र चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के सहयोग से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। जिसमें पीआई इंडस्ट्रीज के उदयपुर स्थित कृषि विज्ञान कंपनी के लिए रिसर्च साइंटिस्ट (डिस्कवरी केमिस्ट्री एंड प्रोसेस रिसर्च) के पद पर साक्षात्कार देने वाले 38 अभ्यर्थियों में 11 अभ्यर्थियों को चयन किया गया है। पांच लाख रुपए का पैकेज दिया जाएगा।

प्रो. शशि को उत्कृष्ट शोध के लिए सम्मान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंडियन बॉटनिकल सोसायटी और वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से हुए तीन दिवसीय 45 वीं अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। सम्मेलन में उत्कृष्ट शोध पेपर प्रस्तुत करने के लिए प्रो. शशि पाण्डेय, बीएचयू को महिला वैज्ञानिक मैडल पुरस्कार से, महिला वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से डॉ. मंजू नायर, कालीकट और नई दिल्ली के डॉ. आशीष प्रसाद युवा वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में इंडियन बॉटनिकल सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. एसआर यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

i-NEXT PAGE 4

'उपक्रम' से स्टेट यूनिवर्सिटीज होंगी वर्ल्ड क्लास

लखनऊ विश्वविद्यालय में उपक्रम केंद्र का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

CONCEPT PIC

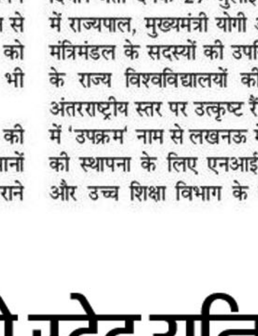

LUCKNOW (16 OCT): प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रैंकिंग दिलाने के लिए 'उपक्रम' (उत्तर प्रदेश कैडर फार रैंकिंग एक्रीडेशन मेंटरशिप) का केंद्र लखनऊ विश्वविद्यालय में खुला है. रविवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ओएनजीसी भवन में नवस्थापित केंद्र का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि उपक्रम से प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय ग्रेडिंग कराने के प्रयासों में मजबूती मिली है.

स्टूडेंट्स को मिले लाभ

उपक्रम केंद्र पर आयोजित कार्यशाला में विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों के निर्माण विषय पर राज्यपाल ने बताया कि उपक्रम केंद्र पर विशेष रूप से प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने का लक्ष्य लेकर काम किया जाए. विश्व में जो भी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार हो रहा है, उसे उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में लागू किया जाए, जिससे विद्यार्थियों को लाभ पहुंचे. राज्यपाल ने इस बात पर चिंता जताई कि राज्य विश्वविद्यालयों में आपसी साझेदारी नहीं है. इसे बढ़ाने पर जोर दिया. विश्वविद्यालयों में लागू पाठ्यक्रमों में नए विषयों को शामिल किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषय को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए.

11 यूनिवर्सिटी के वीसी शामिल

कार्यशाला में 11 राज्य विश्वविद्यालयों में लखनऊ विश्वविद्यालय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, बरेली विश्वविद्यालय, कानपुर विश्वविद्यालय, पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, सीएसए विश्वविद्यालय कानपुर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या, एसजीपीजीआइ लखनऊ के कुलपति उपस्थित रहे. इसके अलावा उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, प्रौद्योगिकी शिक्षा मंत्री, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा राज्य मंत्री भी शामिल हुए.

एलयू में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के सहयोग से पीआई इंडस्ट्रीज के उदयपुर स्थित कृषि विज्ञान कंपनी के लिए वाक इन प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया. इसमें रिसर्च साइंटिस्ट के पद के लिए 38 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए, जिनमें से 11 को शॉर्टलिस्ट किया गया. विभाग के हेड प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि आठ लवि के पीएचडी और एमएससी के छात्र हैं. शेष अन्य सीडीआरआई, एनबीआरआई और बीबीएयू के हैं. जल्द इनकी फाइनल सूची कंपनी जारी करेगी. इनको लगभग पांच लाख प्रति वर्ष के पैकेज पर रखा जाएगा. गौरतलब है कि लखनऊ यूनिवर्सिटी ने इस साल अपने प्रयासों से बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट कराया है. स्टूडेंट्स को काफी अच्छी कंपनियों में जॉब के ऑफर मिले हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

'नौकरी प्रदाता भी बनें वनस्पति विज्ञानी'

जासं, लखनऊ : लवि में चल रही तीन दिवसीय 45वीं अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट शोध पेपर प्रस्तुत करने के लिए बीएचयू की प्रो. शशि पांडेय को महिला वैज्ञानिक मेडल पुरस्कार, कालीकट की डा. मंजू नायर को महिला वनस्पति शास्त्री पुरस्कार, नई दिल्ली के डा. आशीष प्रसाद को युवा वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

इंडियन बाटनिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. एसआर यादव ने कहा कि वनस्पति विज्ञानियों को नौकरी चाहने की अपेक्षा प्रदाता भी होना चाहिए। वनस्पति विज्ञान पढ़ने के बाद इस क्षेत्र में इतने विकल्प खुल जाते हैं कि इंटरप्रिन्योशिप विकसित कर सकते हैं। सलाह दी कि इंडियन बाटनिकल सोसायटी के लोग आपस में मिलकर एक वाट्सएप ग्रुप बना लें और इस क्षेत्र में नौकरी संबंधी जानकारी साझा करें।

लवि में प्लेसमेंट ड्राइव

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के सहयोग से पीआई इंडस्ट्रीज के उदयपुर स्थित कृषि विज्ञान कंपनी के लिए वाक इन प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। इसमें रिसर्च साइंटिस्ट (डिस्कवरी केमिस्ट्री एंड प्रोसेस रिसर्च) के पद के लिए 38 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए, जिनमें से 11 को शार्टलिस्ट किया गया।

RASHRIAYA SAHARA PAGE 5

नए पाठ्यक्रम में लाएं सामाजिक उत्तरदायित्व के विषय

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित उपक्रम केन्द्र का किया उद्घाटन

लखनऊ (एसएनबी)। प्रदेश की राज्यपाल आंनदीवेन पटेल ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में नवस्थापित 'उपक्रम' (उत्तर प्रदेश कैडर फॉर रैंकिंग एक्रीडेशन मेंटरशिप) तथा केन्द्र पर आयोजित विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों का निर्माण विषयक कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला को सम्वोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 'उपक्रम' की स्थापना से प्रदेश के उच्चशिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्रेडिंग कराने के प्रयासों को मजवूती मिली है। उन्होंने कहा कि 'उपक्रम' स्थापना के लिए किए गए एमओयू को लगभग ढाई माह हो गया है। इसी वीच विश्वविद्यालयों द्वारा इस दिशा में किए गए कार्य और आगामी कार्य-प्रणाली पर इस कार्यशाला में विचार विनिमय होगा। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में लागू पाठ्यक्रमों के नवीनीकरण में नए विषयों को शामिल करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषयों को भी नए पाठ्यक्रम में शामिल करें।

राज्यपाल ने कहा कि इस सेंटर पर विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी वनाने का लक्ष्य रखकर कार्य हो। उन्होंने कहा कि विश्वस्तर पर जो भी नवीनताएं शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित हो रही हैं, वे सव उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भी लागू कराकर यहाँ के विद्यार्थियों को भी उससे लाभान्वित किया जाए, जिससे विश्वस्तरीय शिक्षा का लाभ प्राप्त कर छात्र देश के विकास में रचनात्मक योगदान दें। राज्यपाल ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में आपसी साझेदारी की कमी को लक्षित किया और इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। इस संदर्भ में उन्होंने अविनाशलिंगम इंस्टीट्यूट, कोयम्वटूर के कुलपति प्रो. एस.पी. त्यागराजन द्वारा विविध विश्वविद्यालयों के सहयोग और साझा प्रवृतियों से कार्य-सम्पादन शैली को अनुकरणीय वताया। उन्होंने अंगदान की आवश्यकता, कृषि कार्यों को सरल करने की तकनीकों के विकास तथा अन्य नवीन तकनीक को सामान्य शिक्षा के विषयों में जोड़ने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने आज की कार्यशाला में भी इस तथ्य पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय अपने कैम्पस के वाहर जाकर सामाजिक जीवन से शिक्षा को सम्वद्ध करें, विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति भी जागरूक करें।

केन्द्र के उद्घाटन अवसर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में उद्घाटन और वैलिडिट्री सत्र सहित कुल पाँच सत्र में विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। राज्य विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय वनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञों ने विचार मंथन किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, प्रौद्योगिकी शिक्षा मंत्री, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा राज्य मंत्री भी शामिल हुए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, मुख्य सचिव कृषि शिक्षा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, विशेष सचिव उच्च शिक्षा, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम समाप्ति के वाद राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में स्थापित हैप्पी थिंकिंग लेवोरेटरी का दौरा किया और उसके विविध कार्यों की जानकारी भी ली।

AMRIT VICHAR PAGE 5

विश्वविद्यालयों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनायेगा 'उपक्रम'

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित 'उपक्रम' केन्द्र का उद्घाटन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। अमृत विचार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में उपक्रम (उत्तर प्रदेश कैडर फॉर रैंकिंग एक्रीडेशन मेंटरशिप) का केंद्र खुला है। यह केंद्र विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में स्थापित किया गया है। जिसका उद्घाटन रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया।

इस अवसर पर विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों का निर्माण विषयक एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुये राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उपक्रम की स्थापना से प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्रेडिंग कराने के प्रयासों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से विश्व विद्यालयों द्वारा इस दिशा में किए गए कार्य और आगामी कार्य प्रणाली को लेकर किये गये विचारों आदान प्रदान होगा।

उन्होंने कहा कि इस सेंटर पर विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखकर कार्य हो। पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में जो भी नवाचार हो रहे हैं, वे सब उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भी लागू कराकर यहां के विद्यार्थियों को भी उससे लाभान्वित किया जाए, जिससे विश्वस्तरीय शिक्षा का लाभ प्राप्त कर छात्र देश के विकास में रचनात्मक योगदान दें। राज्यपाल ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में आपसी साझेदारी की कमी को बताया और इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने सुझाव देते हुये कहा कि विश्वविद्यालयों में लागू पाठ्यक्रमों के नवीनीकरण में नए विषयों को शामिल किया जाये ,साथ ही सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषयों को भी नए पाठ्यक्रम में शामिल करें।

बता दें कि बीते 27 जुलाई को राजभवन स्थित सभागार में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रैंकिंग के सम्बन्ध में उपक्रम नाम से विशिष्ट केन्द्र की स्थापना के बीच एमओयू पर साइन हुआ था। यह एमओयू एनआईडी फाउण्डेशन और उच्च शिक्षा विभाग के बीच साइन हुआ था।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 5

विश्वविद्यालयों को अग्रणी बनाने का रखें लक्ष्य

राज्यपाल ने लविवि में स्थापित उपक्रम केन्द्र का किया उद्घाटन, विद्यार्थियों को विश्वस्तर की शिक्षा का लाभ देने पर दिया जोर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लविवि में स्थापित उपक्रम केन्द्र का उद्घाटन करती राज्यपाल आनंदीबेनपटेल

लखनऊ। राज्यपाल आंनदीबेन पटेल ने कहा कि उपक्रम केंद्र पर विशेष रूप से प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखकर कार्य हो। विश्व स्तर पर जो भी नवीनतायें शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित हो रही हैं, वे सब प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भी लागू कराकर यहां के विद्यार्थियों को उससे लाभान्वित किया जाये ताकि वे विश्वस्तरीय शिक्षा पाकर देश के विकास में रचनात्मक योगदान दें।

यह विचार राज्यपाल ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में नवस्थापित उपक्रम (उत्तर प्रदेश कैडर फॉर रैंकिंग एक्रीडेशन मेंटरशिप) और केंद्र पर आयोजित विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों का निर्माण विषयक एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि उपक्रम की स्थापना से प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्रेडिंग कराने को प्रयासों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषयों को भी नए पाठ्यक्रम में शामिल करें। उन्होंने अंगदान की आवश्यकता, कृषि कार्यों को सरल करने की तकनीकों के विकास तथा अन्य नवीन तकनीक को सामान्य शिक्षा के विषयों में जोड़ने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कार्यशाला में भी इस तथ्य पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय अपने कैम्पस के बाहर जाकर सामाजिक जीवन से शिक्षा को संबद्ध करें, विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति भी जागरूक करें। इस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में उद्घाटन और वैलिडिट्री सत्र सहित कुल पांच सत्र में विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। राज्य विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञों ने विचार मंथन किया। कार्यक्रम में 11 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने उपक्रम एमओयू होने के बाद एनएएसी मान्यता, एनआईआरएफ रैंकिंग, विश्व क्यूएस रैंकिंग की दिशा में कार्यों की प्रगति पर विचार साझा किये और प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम में उपक्रम की संगठनात्मक संरचना का गठन भी हुआ। कार्यशाला में 11 राज्य विश्वविद्यालय लखनऊ विवि, मेरठ विवि, बरेली विवि, कानपुर विवि, गोरखपुर विवि, किंग जॉर्ज चिकित्सा विवि, सीएसए विवि कानपुर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विवि झांसी, कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या, एसजीपीजीआई के कुलपतियों ने भाग लिया। इसके अलावा चंडीगढ़ विवि, मोहाली की प्रो. हिमानी सूद ने अपने कालिज, डॉ. संजीत और डॉ. शान के साथ इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, प्रौद्योगिकी शिक्षा मंत्री, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा राज्य मंत्री भी शामिल हुए। अंत में राज्यपाल ने लविवि के ओएनजीसी भवन में स्थापित हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी का दौरा किया और उसके विविध कार्यों की जानकारी भी ली।

नौकरी प्रदाता बनें वनस्पति विज्ञानी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंडियन बॉटनिकल सोसायटी तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 45वीं अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन रविवार को समापन हुआ।

वैज्ञानिक सत्र से तीसरे दिन के कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। जिसमें आमंत्रित व्याख्यान में एनबीआरआई के निदेशक डॉ. एसके बारिख, सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. एसके बारिख ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता तथा कृषिविषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने अपने व्याख्यान में जीनोम एडीटिंग विषय पर चर्चा की। अंत में सम्मेलन उत्कृष्टशोध पेपर प्रस्तुत करने के लिए प्रो. शशि पाण्डेय, बीएचयू को महिला वैज्ञानिक मैडल पुरस्कार से, महिला वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से डॉ. मंजू नायर, कालीकट को तथा डॉ. आशीष प्रसाद, नई दिल्ली को युवा वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ मौखिक प्रस्तुति में तीन शोधार्थियों को तथा पोस्टर प्रस्तुति में तीन शोधार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

TOI PAGE 3

Centre to help state educational institutes get ranks & accreditation set up in LU

Times News Network

Governor Anandiben Patel during the inaugural event

Lucknow: Uttar Pradesh Cadre for Ranking Accreditation Mentorship (UPKRAM), a centre to train higher education institutions on how to get good ranking and accreditation from national and international level bodies, was started in Lucknow University (LU) on Sunday. LU has been made a nodal centre of UPKRAM jointly set up by the state government and NID Foundation. "The establishment of the centre is an effort to ensure quality education and help UP higher education academic institutes get a good place both nationally and internationally. UPKRAM will ensure that academic institutes of the state lead both nationally and globally," said Governor Anandiben Patel.

She said innovations in the field of education at the global level will be implemented in UP universities. The governor pointed out the lack of mutual partnership in the universities of the state and emphasized its importance.

Patel also suggested that the academic institutes should offer new courses and should also teach subjects that make students realize their social responsibility. "Students should be made to understand the need for organ donation, development of techniques to simplify agricultural operations and to integrate other new techniques in the subjects of general education," she said.

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषय नए पाठ्यक्रम में शामिल करें : राज्यपाल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राज्यपाल आंनदीबेन पटेल ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के ओ0एन0जी0सी0 भवन में नवस्थापित 'उपक्रम' (उत्तर प्रदेश कैडर फॉर रैंकिंग एक्रीडेशन मेंटरशिप) तथा केन्द्र पर आयोजित ''विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों का निर्माण'' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि 'उपक्रम' की स्थापना से प्रदेश के उच्चशिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्रेडिंग कराने को प्रयासों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि 'उपक्रम' स्थापना हेतु किए गए एम0ओ0यू0 को लगभग ढाई माह हो गया है। इसी बीच विश्व विद्यालयों द्वारा इस दिशा में किए गए कार्य और आगामी कार्य-प्रणाली पर इस कार्यशाला में विचार विनिमय होगा।

चर्चा के क्रम को आगे बढ़ाते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि इस सेंटर पर विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखकर कार्य हो। उन्होंने कहा कि विश्वस्तर पर जो भी नवीनताएं शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित हो रही हैं, वे सब उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भी लागू कराकर यहाँ के विद्यार्थियों को भी उससे लाभान्वित किया जाए, जिससे विश्वस्तरीय शिक्षा का लाभ प्राप्त कर छात्र देश के विकास में रचनात्मक योगदान दें। राज्यपाल जी ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में आपसी साझेदारी की कमी को लक्षित किया और इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। इस संदर्भ में उन्होंने अविनाशलिंगम इंस्टीट्यूट, कोयम्बटूर के कुलपति प्रो0 एस0पी0 त्यागराजन द्वारा विविध विश्वविद्यालयों के सहयोग और साझा प्रवृत्तियों से कार्य-सम्पादन शैली को अनुकरणीय बताया।

राज्यपाल जी ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालयों में लागू पाठ्यक्रमों के नवीनीकरण में नए विषयों को शामिल करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व तय करने वाले विषयों को भी नए पाठ्यक्रम में शामिल करें। इस संदर्भ में उन्होंने अंगदान की आवश्यकता, कृषि कार्यों को सरल करने की तकनीकों के विकास तथा अन्य नवीन तकनीक को सामान्य शिक्षा के विषयों में जोड़ने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने आज की कार्यशाला में भी इस तथ्य पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय अपने कैम्पस के बाहर जाकर सामाजिक जीवन से शिक्षा को सम्बद्ध करें, विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति भी जागरूक करें।

ज्ञात हो कि 27 जुलाई, 2022 को राजभवन के गांधी सभागार में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा प्रदेश मंत्रीमंडल के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रैंकिंग के सम्बन्ध में ''उपक्रम'' नाम से राजधानी लखनऊ में विशिष्ट केन्द्र की स्थापना हेतु एन0आई0डी0 फाउण्डेशन और उच्च शिक्षा विभाग के बीच एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर हुए थे। आज इस केन्द्र के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में उद्घाटन और वैलिडिट्री सत्र सहित कुल पाँच सत्र में विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। राज्य विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञों ने विचार मंथन किया।

कार्यशाला में चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय से आए विशेषज्ञ प्रो0 संजीत ने उन बिंदुओं पर खास चर्चा की, जिनकी कमी से प्रदेश के विश्वविद्यालय अपने बेहतर संसाधन और उत्कृष्ट शिक्षण के बाद भी देश और विश्व में रैंक प्राप्त करने में पिछड़ जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपक्रम के माध्यम से इन बिंदुओं पर ध्यान केन्द्रित करके प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय रैंकिंग में शामिल करने का प्रयास किया जायेगा। चण्डीगढ़ से आए दूसरे विशेषज्ञ डा0 शान ने जानकारी दी कि नैक अपनी मूल्यांकन पद्धति में बड़ा बदलाव करने जा रहा है, जिसके लिए सुझाव आंमत्रित किए गए हैं। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित कुलपतियों से नैक प्रणाली में अपेक्षित सुधार प्रेषित करने का सुझाव दिया। उन्होंने ये भी जानकारी दी कि आगामी नैक में समग्रता से ग्रेडिंग नहीं होगी अपितु प्रत्येक क्राइटेरिया के सभी बिंदुओं पर विभागवार अलग-अलग ग्रेड दिए जायेंगे। बदलाव के बाद आगे विश्वविद्यालयों को नैक होने या न होने से जाना जा सकेगा।

कार्यशाला में चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति श्री सतनाम सिंह संधू ने विश्वास व्यक्त किया कि ये सेंटर आपसी भागीदारी के साथ बहुत कुछ सीखने का अवसर देगा। विविध चर्चाओं के क्रम में प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा ने मौके पर ही समस्याओं के निराकरण पर भी चर्चा की और समाधान का अश्वासन दिया। कार्यक्रम में 11 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने ''उपक्रम'' एम0ओ0यू0 होने के बाद एन0ए0ए0सी0 मान्यता, एन0आई0आर0एफ0 रैंकिंग, विश्व क्यू0एस0 रैंकिंग की दिशा में कार्यों की प्रगति पर विचार साझा किए और प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम में उपक्रम की संगठनात्मक संरचना का गठन भी किया गया। कार्यशाला में ग्यारह राज्य विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय, मेरठ विश्वविद्यालय, बरेली विश्वविद्यालय, कानपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, सी0एस0ए0 विश्वविद्यालय कानपुर, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या, एस0जी0पी0जी0आई, लखनऊ के कुलपतियों ने भाग लिया। इसके अलावा चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली की प्रोफेसर हिमानी सूद ने अपने कॉलेज, डॉ. संजीत और डॉ. शान के साथ इस वर्कशॉप में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, प्रौद्योगिकी शिक्षा मंत्री, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा राज्य मंत्री भी शामिल हुए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, मुख्य सचिव कृषि शिक्षा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, विशेष सचिव उच्च शिक्षा, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद राज्यपाल जी ने लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में स्थापित हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी का दौरा किया और उसके विविध कार्यों की जानकारी भी ली।

45वें अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन का हुआ समापन

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंडियन बॉटनिकल सोसायटी तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीनदिवसीय 45 वीं अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन किया गया। वैज्ञानिक सत्र से तीसरे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। जिसमें आमंत्रित व्याख्यान में निदेशक-सीएसआईआर- एनबीआरआई डॉ. एस. के बारिख, निदेशक-सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी, सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. एस. के. बारिख ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता तथा कृषि विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने अपने व्याख्यान में जीनोम एडीटिंग विषय पर चर्चा की। समापन के अंत में सम्मेलन उत्कृष्ट शोध पेपर प्रस्तुत करने के लिए प्रो. शशि पाण्डेय, बीएचयू को महिला वैज्ञानिक मैडल पुरस्कार से, महिला वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से डॉ. मंजू नायर, कालीकट को तथा डॉ. आशीष प्रसाद, नई दिल्ली को युवा वनस्पति शास्त्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ मौखिक प्रस्तुति में तीन शोधार्थियों को तथा पोस्टर प्रस्तुति में तीन शोधार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन का समापन इंडियन बॉटनिकल सोसायटी के प्रेसिडेंट प्रो. एस. आर. यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया। वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में लगे शिक्षाविदों के इस मेले में बॉटनिकल सोसायटी की सचिव प्रो. शिशु लावनिया, आयोजन सचिव प्रो. नलिनी पाण्डेय, वनस्पति विज्ञान विभाग प्रमुख प्रो. मुन्ना सिंह, प्रो . एस. आर. रामा राव, डॉ. उमेश चंद्र लावनिया, डॉ. रमाकांत पाण्डेय, प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ला, डॉ. आर. के श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Centre for ranking, accreditation mentoring inaugurated at LU

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW : To help state universities improve their rankings, governor and chancellor Anandiben Patel on Sunday inaugurated the Uttar Pradesh Centre for Ranking, Accreditation Mentoring (UPCRAM) at University of Lucknow.

Governor said with the establishment of UPCRAM, efforts for securing international and national rankings for UP colleges and universities would gain strength. The Governor said that modern education means should also be introduced in state universities to benefit the students at global level.

On July 27 this year, an MoU was signed between UP Higher Education Department and NID Foundation to set up UPCRAM that will focus on ensuring better rankings of UP universities.

Highlighting the lack of coordination among the state universities, the Governor said that the coordination work of vice chancellor of Avinashilingam University Coimbatore between various Institutes is worth following. She suggested to introduce new courses in the universities and added that subjects focusing on social responsibilities should also be introduced.

She asked the varsities to focus on subjects related to need for organ donation, simplifying agriculture work and innovation of new techniques and technologies.

During the event on Sunday, the experts shared their ideas and vision to take state universities forward.

The workshop was attended by Prof Sanjit of Chandigarh University who highlighted the shortcomings of UP universities and how it can be addressed. Another expert from Chandigarh, Shaan said that the NAAC was about to revise its evaluation methodology and told VCs at the event to send suggestions.

He said that in future the NAAC would award grading for each department instead of collective ranking of the university. Vice chancellor of Chandigarh University, Satnam Singh Sandhu said, "The centre will be a learning experience for exchanging new ideas and knowledge." During the workshop, vice chancellors of 11 universities shared their views regarding NAAC Accreditation, NIRF ranking following the MoU. University of Lucknow was the first UP universities to get A++ ranking from NAAC in July. Governor wants all universities to learn from LU and should take step to improve their ranking.